राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 30 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-64 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

केरल में पीएम मोदी का हुंकार, बंगाल और असम में उम्मीदवार फायनल करने में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली।

देश में चुनावी बिगुल बजते ही राजनीतिक हलचल अपने चरम पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रविवार से केरल में अपने चुनाव प्रचार अभियान का आगाज करने जा रहे हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:30 बजे पलक्कड़ के फोर्ट मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जहां वे दक्षिण भारत में अपनी पार्टी की पैठ मजबूत करने का प्रयास करेंगे। इसके पश्चात, शाम 4:45 बजे त्रिशूर में उनके एक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया है।वहीं दूसरी ओर, विपक्षी खेमे में भी बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने शनिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर गहन चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे, जहां राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों और गठबंधन के समीकरणों पर मंथन किया गया। पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम दौरे के दौरान एनडीए की जीत का बड़ा दावा किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि असम में एनडीए तीसरी बार सरकार बनाएगी और राज्य की 126 सीटों में से 90 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। अमित शाह आज भी राज्य में जनसभाओं को संबोधित कर कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे।चुनाव प्रचार के बीच पश्चिम बंगाल के बीरभूम से एक दुर्घटना की खबर भी आई, जहां टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की रैली के बाद मंच के एक हिस्से में आग लग गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इस बीच, तमिलनाडु में भी गठबंधन का स्वरूप स्पष्ट हो गया है, जहाँ डीएमके ने कांग्रेस को 28, डीएमडीके को 10 और अन्य क्षेत्रीय दलों को सीटें आवंटित की हैं।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी- चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

मन की बात के 132वें एपिसोड में बोले पीएम मोदी.....

जागरूक रहें, बहकावे में न आएं

-वैश्विक संकट, ऊर्जा चुनौतियों और अफवाहों पर जताई चिंता

-युवाओं, खेल और फिटनेस पर दिया विशेष जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में देश को संबोधित करते हुए नागरिकों से सजग और जिम्मेदार बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुनिया पहले ही कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों से गुजर चुकी है और उम्मीद थी कि इसके बाद वैश्विक हालात सुधरेंगे, लेकिन इसके विपरीत कई क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थिति लगातार बनी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर पड़ोसी देशों में जारी भीषण संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका असर केवल उन देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीयों के परिवार और रिश्तेदार रहते हैं, विशेषकर खाड़ी देशों में कार्यरत लोग। उन्होंने खाड़ी देशों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीयों की हर संभव मदद की जा रही है।

ऊर्जा संकट पर भारत की तैयारी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में संघर्ष चल रहा है, वे भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रमुख स्रोत हैं। ऐसे में पेट्रोल और डीजल को लेकर वैश्विक संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत ने पिछले एक दशक में अपने वैश्विक संबंधों को मजबूत किया है, जिससे वह इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

देशवासियों से एकजुट रहने का संदेश

पीएम मोदी ने इस समय को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि सभी देशवासियों को एकजुट होकर देशहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह विषय राजनीति से ऊपर है और इससे 140 करोड़ नागरिकों का भविष्य जुड़ा हुआ है।

अफवाहों से सावधान रहने की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अफवाहें फैलाने वाले तत्व देश को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जागरूक रहें और किसी भी भ्रामक सूचना के बहकावे में न आएं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश पहले की तरह इस संकट से भी एकजुट होकर बाहर निकलेगा।

युवाओं और खेलों पर विशेष जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवाओं की भागीदारी से राष्ट्र निर्माण को नई दिशा मिलती है। उन्होंने 'माय भारत' जैसे संगठनों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। खेलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने टी-20 विश्व कप और रणजी ट्रॉफी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, खासकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उल्लेखनीय है।

फिटनेस और स्वास्थ्य पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपनी जीवनशैली में सुधार लाने की अपील करते हुए कहा कि योग और नियमित व्यायाम को अपनाना जरूरी है।

पश्चिम एशिया के हालातों पर रक्षा मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक, आपूर्ति श्रृंखला पर पैनी नजर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पश्चिम एशिया में तेजी से बदलती परिस्थितियों की समीक्षा करने और भारत पर पड़ने वाले इसके संभावित प्रभावों से निपटने के लिए गठित अनौपचारिक मंत्रिस्तरीय समूह (आईजीओएम) की पहली औपचारिक चर्चा थी। इस उच्च स्तरीय बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, और नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू सहित कई कैबिनेट मंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए एक सक्रिय रोडमैप तैयार करना था। बैठक के दौरान सचिवों के सात अधिकार प्राप्त समूहों ने विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। इसमें तेल आपूर्ति, व्यापार मार्ग और अंतरराष्ट्रीय रसद (लॉजिस्टिक्स) पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया गया। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में भारत को केवल प्रतिक्रियात्मक होने के बजाय दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मध्यम से दीर्घकालिक तैयारी रखें और किसी भी स्थिति में त्वरित निर्णय लेने के लिए उच्च-स्तरीय समन्वय बनाए रखें। बैठक के समापन पर रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से देश

को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसी भी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव से भारतीयों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनता को जागरूक रखने पर जोर

सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण फैलने वाली अफवाहों और गलत सूचनाओं पर लगाम लगाई जाए। मंत्रियों को निर्देश दिया गया कि वे राज्यों और जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करें। साथ ही, आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से सटीक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया ताकि जनता तक सही तथ्य पहुंच सकें।

भारत में बनेंगे हर साल एक लाख रोबोट

भारत में बनेंगे हर साल एक लाख रोबोट

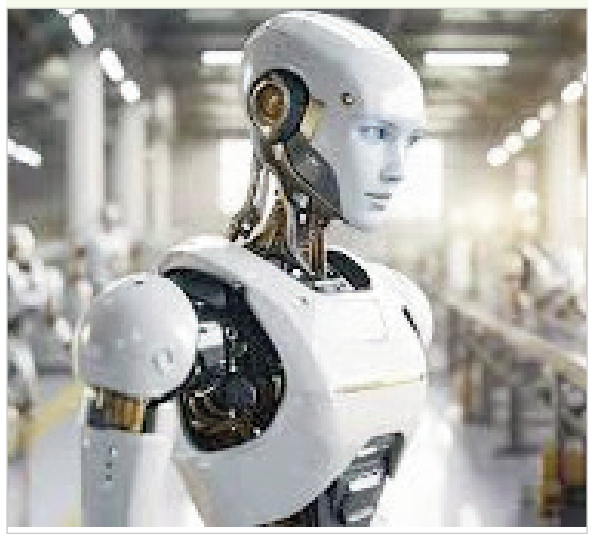

नोएडा।

देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा मे रोबोट फैक्ट्री स्थापित की गई है। नोएडा के 156 सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्र में यह फैक्ट्री रोबोट निर्माण का कार्य कर रही है। इस इंडस्ट्री में हर साल एक लाख रोबोट बनाने का लक्ष्य है। इस फैक्ट्री में कई तरह के रोबोट तैयार किए जाएंगे।

इस काम में लगभग 700 से अधिक इंजीनियर रोबोट निर्माण के कार्य में लगे हैं। इस कंपनी का नाम एडवर्ब है।

इसकी दो फैक्ट्री हैं एक फैक्ट्री का नाम बॉट वेली है। जो लगभग ढाई एकड़ में फैली है। यहां पर रिसर्च और डेवलपमेंट का का काम होता है। इस केंद्र से 40 किलोमीटर दूर 15 एकड़ में बॉट वर्स वर्ष नाम की फैक्ट्री बनी हुई है। जिसकी क्षमता 1 लाख रोबोट प्रतिवर्ष बनाने की है। जब यह कंपनी पूरी क्षमता के साथ काम शुरू करेगी। तब दुनिया की दूसरी बड़ी रोबोट फैक्ट्री का दर्जा हासिल कर पाएगी।

भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं। उनमें सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर पूर्णत स्वदेशी हैं। दोनों फैक्ट्री हाई लेवल ऑटोमेशन पर काम कर रही हैं। पावर कट का पूरा सिस्टम सोलर एनर्जी पर संचालित होता है।

यहां पर छोटे से छोटे काम रोबोट से कराये जा रहे हैं। कंपनी के इंजीनियरों का कहना है। जल्द ही इस कंपनी के बने रोबोट विभिन्न कार्यों और विभिन्न क्षेत्रों में नजर आएंगे।

रोबोट को फिजिकल एआई से ट्रेंड किया जा रहा है। जो कमाण्ड कोडिंग के जरिए इंसानों की तरह व्यवहार करने लगेंगे। भारत रोबोट के क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। इस कंपनी के पास अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों से आर्डर मिले हैं।

भारत-ईयू ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की

कैमरून में गोयल ने यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त से की मुलाकात

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच से मुलाकात की और भारत-ईयू एफटीए पर प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने एमसी 14 एजेंडा के तहत प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को और गहराने के अवसरों पर भी चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने नाइजीरिया के उद्योग, वाणिज्य और निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुवोले से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एमसी 14 एजेंडा पर चर्चा की गई और दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों का पता लगाया गया। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा के साथ एक रचनात्मक बातचीत में एमसी 14 एजेंडा, द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने और भारत-मर्कोसुर पीटीए के विस्तार पर विचार साझा किए गए। डब्ल्यूटीओ बैठक में महात्मा गांधी के सत्य के सिद्धांत से प्रेरणा लेते हुए भारत ने निवेश सुविधा विकास (आईएफडी) समझौते के विवादास्पद मुद्दे पर अकेले खड़े होने का साहस दिखाया और इसे

डब्ल्यूटीओ ढांचे में एनेक्स चार समझौते के रूप में शामिल करने के लिए सहमति नहीं दी। गोयल ने कहा कि आईएफडी समझौते का समावेशन डब्ल्यूटीओ की कार्यात्मक सीमाओं को कमजोर करने और इसके मूलभूत सिद्धांतों को बाधित करने का जोखिम पैदा करता है। डब्ल्यूटीओ सुधार चर्चा के हिस्से के रूप में सदस्य किसी भी विशिष्ट बहुपक्षीय परिणाम को एकीकृत करने से पहले बहुपक्षीय समझौतों के लिए सुरक्षा और कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि कैमरून में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह को संबोधित करके और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की अपार संभावनाओं को उजागर करके मैं बहुत खुश हूं।

तमिलनाडु चुनाव: टीवीके ने की उम्मीदवारों की घोषणा, एक्टर विजय दो सीटों से लड़ेंगे चुनाव

टीवीके की सरकार बनी तो 29 साल से ज्यादा उम्र के युवाओं को हर महीने 4,000 देने का वादा

चेन्नई।

तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने रविवार को अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची का ऐलान किया। 234 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। सबसे बड़ी खबर यह रही कि विजय खुद दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। वे त्रिची ईस्ट और चेन्नई के परम्बूर से मैदान में उतरेंगे। दोनों सीटों पर उनका नाम सी जोसेफ विजय के रूप में दर्ज है। यह पहली बार है जब विजय सीधे चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीवीके के महासचिव एन आनंद टी नगर से, कोषाध्यक्ष वेंकट रमनन मायलापुर से और आधव अर्जुन विल्लिवाक्कम से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा गोबीचेट्टीपालयम से के सेंगोट्टयान, तिरुचेंगोडे से केजी अरुणराज, तिरुपरनकुंडम से सीटीआर निर्मल कुमार, थाउजेंड लाइट्स से जेसीडी प्रभाकर, कोलाथुर से वीएस बाबू और आरके नगर से डॉ मारिया विल्सन को टिकट दिया गया है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ-साथ विजय ने युवाओं के लिए कई बड़े वादे भी किए हैं। पार्टी ने ऐलान किया कि अगर टीवीके सरकार बनी तो 29 साल से ज्यादा उम्र के उन युवाओं को हर महीने 4,000 रुपए दिए जाएंगे जिन्हें अभी तक नौकरी नहीं मिली है। डिप्लोमा धारकों को हर महीने 2,500 रुपए देने का वादा किया गया है। ठुइसके अलावा तमिल एंप्लॉयमेंट क्रेडिट सिस्टम का भी ऐलान किया गया।

इसके तहत जो निजी कंपनियां अपने 75 फीसदी कर्मचारी तमिलनाडु के लोगों में से रखेंगी उन्हें सीजीएसटी में 2.5 फीसदी और बिजली बिल में 5 फीसदी की छूट दी जाएगी। उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए विजय भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे लोगों को चुना है जो जनता की बात सुनेंगे और उनकी समस्याओं का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह उन्होंने अपना फिल्मी

करियर छोड़कर जनता के लिए राजनीति में कदम रखा, उसी तरह ये उम्मीदवार भी जनता के लिए समर्पित हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कम उपभोग, ज्यादा संरक्षण यही है शून्य अपशिष्ट का मंत्र

(लेखक- सुनील कुमार महला)

(30 मार्च अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस पर विशेष आलेख)

हर वर्ष 30 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य केवल धरती या अंतरिक्ष से कचरा कम करना ही नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पर्यावरण व हमारी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना और मानव जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस कचरा प्रबंधन(वेस्ट मैनेजमेंट) करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए एक ऐसा वैश्विक आह्वान है, जो हमें टिकाऊ(सस्टेनेबल) और संतुलित जीवन(बैलेंस्ड लाइफ) की ओर प्रेरित करता है। इसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य पूरी दुनिया को 'प्लास्टिक-मुक्त अर्थव्यवस्था' की दिशा में ले जाना भी है, जहाँ पैकेजिंग के लिए मशरूम या समुद्री शैवाल जैसे व अन्य किन्हीं प्राकृतिक व बेहतरीन विकल्पों का उपयोग किया जा सके।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया की जनसंख्या बहुत ही तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ ही धरती पर व अंतरिक्ष तक में भी कचरे की मात्रा भी निरंतर बढ़ती जा रही है।सीधे शब्दों में कहें तो यह दिवस हमें कचरे को कम करने, पुनः उपयोग (री-यूज) और पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है।सच तो यह है कि यह 'रिड्यूस, री-यूज और रीसायकल' की अवधारणा को बढ़ावा देता है। वर्तमान समय में प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पृथ्वी के पर्यावरण और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम खाद्य अपशिष्ट को कम करें और धरती के सभी प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें।

यह एक चिंताजनक तथ्य है कि हम हर वर्ष अरबों टन कचरा उत्पन्न करते हैं, लेकिन उसका बहुत कम हिस्सा ही पुनर्चक्रित कर पाते हैं। वास्तव में 'शून्य अपशिष्ट'(जीरो वेस्ट) का अर्थ है ऐसी जीवनशैली अपनाना, जिसमें कचरा लगभग समाप्त हो जाए। इसका सीधा सा आशय यह है कि हम संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, उन्हें संरक्षित रखें और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएं।कहना ग़लत नहीं होगा कि कचरे और जलवायु परिवर्तन के बीच गहरा संबंध है। कचरे की बढ़ती मात्रा ग्लोबल वार्मिंग को भी बढ़ाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार शहरी ठोस कचरा वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3-5ब हिस्सा है। जब जैविक कचरा, जैसे भोजन, लैंडफिल में सड़ता है, तो वह मीथेन गैस उत्पन्न करता है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से गर्मी को अवशोषित करती है। वास्तव में, यह दिवस उन लाखों अनौपचारिक श्रमिकों के योगदान को भी मान्यता देता है, जो कचरा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आज दुनिया भर में लगभग 2 करोड़ लोग इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। साथ ही, यह दिवस उन कंपनियों की नीतियों पर भी प्रश्न उठाता है, जो जानबूझकर ऐसे उत्पाद बनाती हैं जो जल्दी खराब हो जाते हैं, ताकि उपभोक्ता बार-बार नए उत्पाद खरीदें। इसके समाधान के रूप में 'राइट टू रिपेयर' यानी मरम्मत का अधिकार एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है, जो वस्तुओं के जीवनकाल को बढ़ाने पर जोर देता है।शून्य अपशिष्ट का एक अहम पहलू 'कंपोस्टिंग' भी है। हमारे कुल कचरे का लगभग 50ब हिस्सा जैविक होता है, जिसे खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। इससे न केवल मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता घटती है। कचरा प्रबंधन में घरों, उद्योगों, सरकारों और आम नागरिकों हम सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण व अहम् है। उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इसका प्रस्ताव तुर्की ने रखा था और इसे अनेक देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। यह पहल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियां कार्यक्रम (यूएन-हेबीटेट) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार यह दिवस 30 मार्च 2023 को मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 'लीनियर इकोनॉमी' (बनाओ-इस्तेमाल करो-फेंक दो) की जगह 'सर्कुलर इकोनॉमी' को बढ़ावा देना है।हर वर्ष इस दिवस की एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2023 की थीम थी-'टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाना', 2024 की थीम-'शून्य अपशिष्ट के क्षेत्र में युवा सबसे आगे', और 2025 की थीम-'फैशन और टेक्सटाइल्स में शून्य अपशिष्ट की ओर' रखी गई थी। वर्ष 2025 की थीम का उद्देश्य कपड़ा उद्योग में उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करना था, क्योंकि 'फास्ट फैशन' के कारण हर वर्ष करोड़ों टन कपड़े बेकार हो जाते हैं। इसके समाधान के रूप में 'स्लो फैशन' और टिकाऊ फैशन को बढ़ावा दिया गया। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम 'खाद्य अपशिष्ट' रखी गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य भोजन की बर्बादी को रोकना है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष दुनिया में लगभग 1 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है। यह न केवल भूख की समस्या को बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अनुमान है कि विश्व में उत्पादित कुल भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा व्यर्थ चला जाता है। यदि 'फूड वेस्ट' एक देश होता, तो यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक होता। वर्ष 2026 की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, यदि भोजन की बर्बादी को रोक दिया जाए, तो दुनिया के हर भूखे व्यक्ति का पेट चार बार भरा जा सकता है। इस वर्ष का संदेश स्पष्ट है- हमें जितनी आवश्यकता हो, उतना ही भोजन लें, शेष भोजन का पुनः उपयोग करें या दान करें, और जूठन न छोड़ें। साथ ही, खाद्य पदार्थों का उचित भंडारण भी आवश्यक है। 'जीरो वेस्ट' की अवधारणा 5क्र सिद्धांत पर आधारित है—रिफ्यूज (मना करना), रिड्यूस (कम करना), री-यूज (पुनः उपयोग), रीसायकल (पुनर्चक्रण) और रोट (खाद बनाना)।पाठकों को बताता चलूं कि कचरा कम करने का सीधा संबंध जल संरक्षण से भी है। उदाहरण के लिए, यदि हम एक कॉटन टी-शर्ट को फेंकने के बजाय पुनः उपयोग करें, तो लगभग 2700 लीटर पानी बचाया जा सकता है, जो एक व्यक्ति की लगभग ढाई वर्ष की पीने की आवश्यकता के बराबर है। आज दुनिया के कुछ शहर, जैसे सैन फ्रांसिस्को और सियोल, 'जीरो वेस्ट' शहर बनने की दिशा में अग्रणी हैं और उन्होंने लैंडफिल में जाने वाले कचरे को लगभग 80ब तक कम कर दिया है। शून्य अपशिष्ट का अर्थ कंजूसी नहीं, बल्कि रचनात्मकता है। यह हमें सिखाता है कि हम वस्तुओं के मालिक नहीं, बल्कि उनके उपयोगकर्ता हैं।

बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि लैंडफिल से निकलने वाला 'लीचेट' नामक जहरीला तरल भूजल को प्रदूषित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, शोध बताते हैं कि 1 टन ई-वेस्ट से 1 टन सोने के अयस्क की तुलना में अधिक सोना निकाला जा सकता है। शून्य अपशिष्ट नीतियां स्थानीय रोजगार भी बढ़ाती हैं-मरम्मत, पुनः उपयोग और रीसाइक्लिंग से 10 से 50 गुना अधिक रोजगार सृजित होते हैं। निष्कर्षतः, कचरा कोई प्राकृतिक वस्तु नहीं, बल्कि मानवीय भूल का परिणाम है। अब समय आ गया है कि हम 'उपभोक्ता' से 'संरक्षक' बनें। यह दिवस हमें सिखाता है कि पृथ्वी के पास हमारी जरूरतों के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन हमारी लालच के लिए नहीं। करोड़ों लोगों के छोटे-छोटे प्रयास मिलकर एक बड़े वैश्विक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।भारतीय पारंपरिक जीवनशैली-जैसे पत्तलों में भोजन, मिट्टी के कुल्हड़, और पुराने कपड़ों से उपयोगी वस्तुएं बनाना-पहले से ही 'प्रोटो-जीरो वेस्ट' के उदाहरण रहे हैं। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक रूप में अपनाएं। धरती ही नहीं, आज 'स्पेस जंक' भी एक उभरती हुई समस्या है, जिससे स्पष्ट होता है कि शून्य अपशिष्ट की अवधारणा अब पृथ्वी से आगे अंतरिक्ष तक फैल चुकी है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक लैपटॉप या स्मार्टफोन के निर्माण में उसके वजन से कई गुना अधिक कचरा उत्पन्न होता है, जो हमारे 'अदृश्य पर्यावरणीय पदचिह्न' को दर्शाता है। यह दिवस 'रिपेयर कल्चर' को पुनर्जीवित करने का संदेश भी देता है। एक गंभीर तथ्य यह है कि हम हर सप्ताह औसतन एक 'क्रेडिट कार्ड' के बराबर प्लास्टिक अपने शरीर में ले रहे हैं। इस प्रकार, शून्य अपशिष्ट केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है। अंततः, यह दिवस हमें सिखाता है कि समाधान लैंडफिल में नहीं, बल्कि हमारी दैनिक आदतों-जैसे समझदारी से खरीदारी करना, भोजन की बर्बादी रोकना और कचरे का सही प्रबंधन करना-में निहित है। यह एक ऐसी जीवनशैली की ओर वापसी का संदेश है, जो सरल, संतुलित और प्रकृति के अनुरूप हो।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

संपादकीय

प्रगति को नए पंख, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए इसे उचित ही भारत की नई ऊर्जा का प्रतीक कहा। इस एयरपोर्ट की आवश्यकता केवल इसलिए नहीं बढ़ गई थी, क्योंकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दबाव बहुत बढ़ गया था। इसकी आवश्यकता इसलिए भी थी ताकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बल दिया जा सके। एयरपोर्ट महज आवागमन की सुविधा भर नहीं होते, वे प्रगति को नए पंख भी प्रदान करते हैं। यह एयरपोर्ट एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र के लिए उपलब्धि भी है और अवसर भी। इसके भरे-पूरे आसार दिख रहे हैं कि नोएडा एयरपोर्ट इस क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के साथ ही यहां के युवाओं एवं कारोबारियों को तरक्की के नए अवसर भी प्रदान करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है। निःसंदेह यह भी उत्तर प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पिछले कुछ समय से देश में हवाई अड्डों की संख्या तेजी के साथ बढ़ी है। आज से 15 साल पहले देश में लगभग 75 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या 160 से अधिक हो चुकी है। इसका सीधा अर्थ है कि देश प्रगति कर रहा है और हवाई संपर्क नए-नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। आज के युग में यह धारणा सही नहीं कि हवाई यात्रा सिर्फ धनी वर्ग के लिए ही संभव है। वास्तव में अब यह आम आदमी की भी जरूरत बन गई है। इसमें संदेह नहीं कि देश में हवाई यात्रा सुविधा का विस्तार हो रहा है, लेकिन अभी उड्डयन क्षेत्र में काफी कुछ करने की आवश्यकता है। इसका संकेत प्रधानमंत्री के इस कथन से मिलता है कि अभी अपने देश में हवाई जहाजों की सर्विसिंग की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आज भी 85 प्रतिशत हवाई जहाजों को सर्विसिंग के लिए विदेश भेजना पड़ता है। यह अच्छा हुआ कि नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहाल) सुविधा का भी उद्घाटन हुआ। यह सुविधा देश के अन्य हवाई अड्डों पर भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसी के साथ इस पर भी सभी राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि आखिर बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की परिकल्पना एवं उनके क्रियान्वयन में इतना अंतर क्यों हो जाता है? नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना का प्रस्ताव 2001 में राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किया था। इसके बाद के मुख्यमंत्रियों ने भी पहल की, लेकिन किन्हीं कारणों से बात आगे नहीं बढ़ सकी और इस तरह 25 वर्ष की देर हुई। यह देर राष्ट्रीय संसाधनों पर भारी ही पड़ी।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

(लेखक-विजय कुमार जैन)

(30 मार्च महावीर निर्वाणोत्सव पर विशेष)

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं । भगवान महावीर का 2552 वाँ निर्वाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है।

कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल रहे भयाभय युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं--

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

चिंतन मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

विचार मंथन

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

(लेखक- -सनत जैन)

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईना

राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह 'आसमान से गिरे, खजूर में अटके' वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आ' ामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चर्चाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यू`न के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, 'ऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्ति मान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति 'धोबी का कुता, न घर का न घाट का' जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आ' ामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटना' म अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है।

जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

ड्राई फ्रूट्स और दवाइयां महंगी, रेडी-टू-ईट फूड की मांग बढ़ी

– पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

दिल्ली की खारी बावली मंडी में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20 फीसदी से 50 फीसदी तक उछाल आया है। व्यापारियों के अनुसार, काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल ईस्ट, खासकर ईरान से आते हैं, जिसकी सप्लाई अब रुक गई है। पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ गई हैं। त्योहारों पर खजूर की मांग बढ़ने के बावजूद सीमित स्टॉक के कारण इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। पैरासिटामोल जैसी दवाइयों में इस्तेमाल होने वाले जड़ी-बूटियों और अन्य कच्चे माल की कीमतें 47 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खारी बावली के व्यापारी बताते हैं कि दवाइयों में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों की सप्लाई भी मिडल ईस्ट संकट के कारण बाधित है। घरों में कुकिंग गैस की कमी और समय की कमी के कारण लोग रेडी-टू-ईट और पैक्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं। अमेज़न इंडिया पर इंस्टेंट नूडल्स, पैकेट बंद मील और स्नैक्स की मांग 15 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। यह ट्रेंड सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोनीपत और पणजी जैसे टियर-2 शहरों में भी देखा जा रहा है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म अमेज़न नाउ पर मंथ-ऑन-मंथ 20 फीसदी सेल बढ़ी। वहीं दिल्ली के करीब 50,000 स्ट्रीट फूड वेंडर्स में से 20-30 फीसदी गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण बंद होने के कगार पर हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर मिलकर हवाई हमले किए, जिनमें कई सैन्य ठिकाने और उच्च अधिकारी मारे गए। इससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ा, जो भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात मार्ग है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, और 60 फीसदी से अधिक एलपीजी विदेश से आती है। सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी और तेल की कोई कमी नहीं है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

- वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। ` पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक` गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च 2026 में अब तक 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) भारतीय शेयर बाजार से निकाले हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 मार्च तक शेयरों की बिक्री 1,13,380 करोड़ रुपये रही। मार्च का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, इसलिए निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। एफपीआई ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम निवेश था। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार की बिकवाली के पीछे कई कारक हैं। बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, रुपये की लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र से रेमिटेंस में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल रही हैं। मेरिका में उच्च बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक स्तर पर कड़ी तरलता ने एफपीआई को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित किया है। शेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भारतीय शेयर बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव

देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सीएमएस ने एफएसएस के एटीएम प्रबंधन कारोबार का 115 करोड़ में अधिग्रहण किया

मुंबई ।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स (एफएसएस) के प्रबंधित सेवाओं के कारोबार का अधिग्रहण 115 करोड़ में करने की घोषणा की है। इस सौदे में एफएसएस की परिचालन परिसंपत्तियों और ग्राहक अनुबंधों का हस्तांतरण शामिल है। कंपनी का कहना है कि यह अधिग्रहण 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। एफएसएस के 8,000 एटीएम जुड़ने के बाद सीएमएस के एटीएम पोर्टफोलियो की संख्या 39,000 हो जाएगी। यह कदम कंपनी को एंड-टू-एंड एटीएम प्रबंधन सेवाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इसके साथ ही नए निजी क्षेत्र के बैंक भी कंपनी के ग्राहक बनेंगे, जिससे ग्राहक आधार और व्यापक होगा। सीएमएस के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि प्रबंधित सेवा उद्योग मजबूत हो रहा है और बैंक अब कम संख्या में भरोसेमंद भागीदारों के साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएस के ग्राहक वे हैं, जिनके साथ कंपनी अपने संबंध और मजबूत करना चाहती है। इस अधिग्रहण से सीएमएस की बाजार स्थिति, बैंकिंग प्रौद्योगिकी सेवाओं और ग्राहक आधार दोनों ही मजबूत होंगे, जिससे कंपनी को लंबी अवधि में लाभ होगा।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

– शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्रे ति` किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्रे ति` किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्रे ति` किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्रे ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान-यूएस संघर्ष से तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव ने दुनिया भर में महंगाई के खतरे को बढ़ा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर संघर्ष जून तक चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकती हैं, जिसकी संभावना 40 फीसदी है। दूसरी ओर, कंपनी ने 60 फीसदी आशावादी संभावना भी जताई है, जिसमें संघर्ष जल्द ही कम हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में से एक है, और ईरान द्वारा इसका नियंत्रण तेल आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। 27 मार्च को दो चीनी जहाजों को मार्ग से रोकने के बाद ब्रेंट क्रूड 111.06 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मेरीन ट्रे फिक की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस मार्ग को पार करने वाले बड़े कंटेनर जहाजों पर पहला प्रतिबंध है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को इस मार्ग को खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया और इस अवधि में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले से रोकने का ऐलान किया। ट्रंप के अनुसार, बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही है। अगर संघर्ष जल्दी हल होता है, तो तेल की कीमतों में स्थिरीकरण संभव है और वैश्विक महंगाई पर नियंत्रण आ सकता है।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में 1 अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

- बदलावों का मकसद बड़े खर्चों पर निगरानी बढ़ाना

नई दिन्ली

। अब वित्तीय वर्ष में अगर किसी कार्ड से 10 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होता है, तो बैंक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे सकता है। विदेश में किए गए बड़े खर्चों पर भी नजर रहेगी। यदि खर्च आपकी आय के अनुरूप नहीं है, तो नोटिस मिल सकता है। 1 अप्रैल से सभी नए और मौजूदा क्रेडिट कार्ड पेन नंबर से लिंक होंगे।

पेन के बिना कार्ड जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि आपका कार्ड आपकी टैक्स पहचान का हिस्सा बन जाएगा। अगर आप कंपनी कार्ड का निजी खर्च करते हैं, जैसे ट्रैवल या मनोरंजन, तो यह टैक्स योग्य लाभ माना जाएगा। खर्च के सबूत (बिल/इनवॉइस) रखना जरूरी होगा, वरना यह राशि आपके वेतन में जोड़कर टैक्स लगेगा। अब इनकम टैक्स का भुगतान क्रेडिट कार्ड से भी किया जा सकेगा। यह सुविधा तब मददगार है जब तुरंत नकदी उपलब्ध न हो।

हालांकि, प्रोसेसिंग फीस और बिल देर से चुकाने पर ब्याज देना पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब पेन कार्ड के पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार होगा। यह नए आवेदन या पते अपडेट करने में आसान बनाता है।

सोने में तेज उतार-चढ़ाव- लंबी अवधि में चमक बरकरार, शॉर्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकॉर्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शॉर्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, भारत पर इसका असर ज्यादा नहीं

– रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाई

मॉस्को ।

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है। उप-प्रधानमंत्री और ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने इस कदम को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने और पेट्रोल की कीमतें नियंत्रित रखने के लिए जरूरी बताया। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रूस रोजाना लगभग 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के पेट्रोल उत्पादों के बड़े खरीदार देशों में चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर शामिल हैं। इन देशों को निर्यात रोकने से सप्लाई में कमी और कीमतों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में इस कदम का असर तेल और पेट्रोलियम की कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सीधा पेट्रोल आयात नहीं करता, बल्कि देश कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात करता है, जिसे अपने रिफाइनरी नेटवर्क में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 फीसदी रूस से आता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है, जिससे न केवल घरेलू जरूरत पूरी होती है बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी होता है। इसलिए, रूस की पेट्रोल निर्यात रोक का भारत पर सीधा असर बहुत कम होने की

संभावना है। हालांकि, वैश्विक सप्लाई में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत को तेल महंगाई का अप्रत्यक्ष असर महसूस हो सकता है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति संकट में, आईएमएफ से जुटाएगा 1.2 अरब डॉलर लोन

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट की स्थिति में है। फरवरी 2026 में महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 5.8 फीसदी थी। महंगाई के मुख्य कारण खाद्य पदार्थ, बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। मार्च में पेट्रोल की कीमत लगभग 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 335 रुपये प्रति लीटर हो गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से यह बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-स्तरीय समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर का लोन मिल सकता है। इसमें 1 अरब डॉलर 'एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी' और 210 मिलियन डॉलर 'रेज़िलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी' के तहत दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से 3.3 अरब डॉलर का लोन मिल चुका है। नई मंजूरी के बाद कुल लोन 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ 2026 में लगभग 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती महंगाई और आर्थिक कमजोरी विकास को सीमित कर रही है। देश लगातार अपने बचाव के लिए विश्व बैंक और आईएमएफ से वित्तीय सहायता मांगता रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं

सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

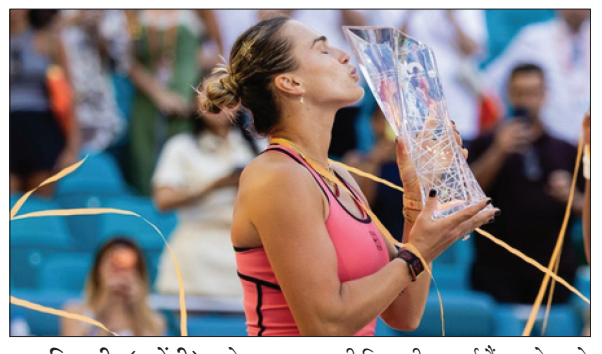

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यंका सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लीजिस्टस और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ़ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

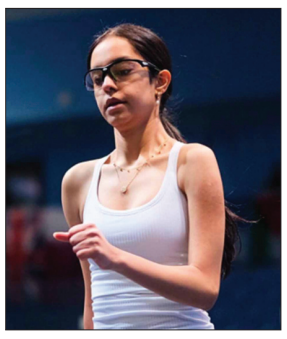

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐसें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरह मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल होने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए, गाल की हड्डी टूटी

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, ''यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।'' डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

सुजुका। मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्र1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहगे।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन। स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में हमले की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस और एफबीआई ने मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता के घर पर पेट्रोल बम से हमला करने की योजना बना रहा था। आरोपी कई हफ्तों से इस हमले की तैयारी कर रहा था और उसने बम बनाने का सामान भी इकट्ठा कर लिया था। गुप्त ऑपरेशन के जरिए पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसे पकड़ लिया गया। जिस महिला को निशाना बनाया गया था, उन्होंने कहा कि यह घटना डराने वाली है, लेकिन उन्हें राहत है कि समय रहते कार्रवाई हो गई।

अमेरिका में स्कूल बस हादसा, 2 छात्रों की मौत

टेनेसी, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल बस की टक्कर में दो छात्रों की मौत हो गई और कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हादसा हाईवे 70 पर हुआ, जहां एक डंप ट्रक, एक कार और स्कूल बस आपस में टकरा गए। बस में कुल 25 छात्र और 5 वयस्क मौजूद थे, जो केनवुड मिडिल स्कूल से एक शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बाद कई घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। चार बच्चों का इलाज नैशविले के एक अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मिसिसिपी में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची 23 वर्षीय महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है। ट्रेन में सवार किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे कंपनी के बयान के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर एक वाहन से टकरा गई। हादसा उत्तर-पश्चिम में स्थित विगिंस शहर के पास हुआ। मृतकों में वैन चालक 26 वर्षीय रयान सी. पीटरसन और आगे की सीट पर बैठीं 45 वर्षीय क्रिस्टिना कार्वर शामिल हैं। कार्वर की दो बेटियों (22 वर्षीय एमली चैंबली और 20 वर्षीय सारा बेथ चैंबली) की भी इस हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा 23 वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की भी जान गई।

जिल बाइडन के सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चली

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका में फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चल गई, जिससे वह खुद घायल हो गया। यह एजेंट पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडन की सुरक्षा में तैनात था। घटना उस समय हुई जब वह अपनी कार में बैठा था और अचानक उसकी बंदूक चल गई। गोली उसके पैर में लगी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है। इस घटना से एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा।

चिली के स्कूल में चाकूबाजी, एक की मौत

कालामा, एजेंसी। चिली के एक स्कूल में शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। यह हमला उत्तरी शहर कालामा के एक स्कूल में हुआ। पुलिस के मुताबिक एक छात्र ने तीन छात्रों और दो स्टाफ पर हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इस हमले में एक 59 साल के स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल खाली करा लिया गया और कक्षाएं रद्द कर दी गईं। अधिकारी इसे गंभीर मामला मान रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था या नहीं।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने किम जोंग को तोहफे में दी राइफल

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मैत्री संधि पर ही दस्तखत नहीं किए, बल्कि उन्हें एक राइफल भी तोहफे में दी। बेलारूसी सरकारी समाचार बेल्टा के मुताबिक, यूक्रेन के खिलाफ रूसी जंग की वकालत करने वाले दोनों नेता संधि के तहत पश्चिमी दबाव का विरोध करने और अधिक निकटता से सहयोग करने पर रजामंद हुए हैं। लुकाशेंको ने इस मैत्री संधि को बेहद अहम बताया, जबकि किम ने इसे द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास की और अधिक गारंटी देने वाली करार दिया।

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु मिली

रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी, तीन साल से व्हीलचेयर पर थी

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्तिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए गुरुवार को अपना जीवन खत्म कर लिया। नोएलिया को इच्छामृत्यु के लिए अपने पिता से भी कानूनी लड़ाई लड़ना पड़ी क्योंकि वे इसके विरोध में थे। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वह इस घटना में बच गई, लेकिन उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी, जिसके कारण वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गई। इसके बाद से वह लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी थी।

फोस्टर होम में कई बार यौन शोषण हुआ : नोएलिया बचपन में अपने माता-पिता के साथ ठीक से नहीं रह पा रही थीं। उसे मानसिक दिक्कतें थी और उनके माता-पिता का तलाक भी हो गया था। परिवार में समस्याएं होने की वजह से सरकार ने उन्हें 13 साल की उम्र में एक देखभाल केंद्र (फोस्टर होम) में रख दिया, ताकि उनकी देखभाल हो सके। इसके बाद वह उसी देखभाल केंद्र में रहने लगीं, जहां उन्होंने कई बार दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां उनके साथ कई बार यौन शोषण हुआ और आखिरी बार 2022 में तीन लड़कों ने उनके साथ गैंगरेप किया।

इच्छामृत्यु की इजाजत मिली, पिता ने विरोध किया : रेप की घटना के बाद नोएलिया की मानसिक हालत और बिगड़ गई। इससे परेशान होकर उसने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, लेकिन वह बच गईं। इस कोशिश के बाद वह हमेशा दर्द में रहने लगीं और व्हीलचेयर पर आ गईं। करीब 18 महीने बाद उन्होंने 2021 में लागू हुए स्पेन के इच्छामृत्यु कानून के तहत अपनी जिंदगी खत्म करने की अनुमति हासिल की। लेकिन इच्छामृत्यु पाने की उनकी कोशिश का उनके पिता और एक अल्ट्रा कंसरवेटिव ग्रुप 'क्रिश्चियन लॉयर्स' ने विरोध किया। उनका कहना था कि नोएलिया की मानसिक हालत ऐसी नहीं है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का सही फैसला ले सकें।

डेढ़ साल तक अदालत में चलता रहा केस : नोएलिया की इच्छामृत्यु का मामला कोर्ट में चला गया और कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। करीब डेढ़ साल तक यह केस अलग-अलग अदालतों में चलता रहा। इस दौरान डॉक्टरों और मेडिकल विशेषज्ञों ने भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि नोएलिया की हालत बेहद गंभीर है, उन्हें लगातार तेज दर्द रहता है और उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम है। सरकार से जुड़ी एजेंसी ने भी उनकी मांग को सही माना और इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। इसके बावजूद उनके पिता ने फैसले को चुनौती दी, जिससे मामला आगे बढ़ता गया। आखिरकार यह मामला यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय तक पहुंचा। वहां यह देखा गया कि क्या नोएलिया मानसिक रूप से अपने फैसले लेने में सक्षम हैं, क्या उन पर किसी तरह का दबाव है और क्या उनकी मांग कानून के तहत सही है। अदालत ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह माना कि नोएलिया को अपने जीवन के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। इस फैसले के बाद उनकी इच्छामृत्यु का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया और तय प्रक्रिया के तहत इसे अंजाम दिया गया।

पिता का तर्क- बेटी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं : नोएलिया की इच्छानुसार उन्हें 'असिस्टेड डेथ' दी गई। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे।

3 साल में 1,123 लोगों को इच्छामृत्यु : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 (जब यह कानून लागू हुआ) से लेकर 2024 के अंत तक 1,123 लोगों ने असिस्टेड डेथ ली है। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली। मौत से कुछ दिन पहले रिकॉर्ड किए गए एक टीवी इंटरव्यू में नोएलिया ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह उसका अपना फैसला है। स्पेन में इच्छामृत्यु का अधिकार केवल उन वयस्क लोगों को दिया जाता है, जो 'गंभीर और लाइलाज बीमारी' या 'गंभीर, पुरानी और अक्षम करने वाली स्थिति' से जूझ रहे हों। इसके साथ यह भी जरूरी है।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्त्राइलः हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्त्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्त्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्त्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं : हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा

इस्त्राइल : इस्त्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्त्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है : इस्त्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। क्या पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना? यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं। उस समय जांच में पता चला था।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक

साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं।'

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता।' उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' कहा, सहयोगियों पर सवाल उठाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'कागजी शेर' बताया और सवाल उठाया कि क्या वाशिंगटन को उन सहयोगियों का बचाव जारी रखना चाहिए, जो उनके अनुसार जरूरत के समय अमेरिका का समर्थन करने में विफल रहे। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब गठबंधन ने उसका साथ नहीं दिया। ट्रंप ने गठबंधन के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'अगर वे हमारे लिए मौजूद नहीं हैं, तो हम उनके लिए क्यों मौजूद रहेंगे?' उन्होंने नाटो की प्रतिक्रिया को 'एक बहुत बड़ी गलती' बताया। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समर्थन की पेशकश सैन्य कार्रवाई समाप्त होने के बाद ही आई। उन्होंने मैक्रों के हवाले से कहा, 'युद्ध खत्म होते ही हम जहाज भेजेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, 'मुझे युद्ध खत्म होने के बाद उनकी जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया की भी आलोचना करते हुए कहा कि विमानवाहक पोत कई हफ्तों बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ट्रंप ने देरी से मिल रहे समर्थन का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तब हम वहां मौजूद होंगे।' राष्ट्रपति ने जर्मनी की आलोचना करते हुए उनके नेतृत्व के इस बयान का जिक्र किया कि यह संघर्ष उनकी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है,' इस टिप्पणी का क्रेडिट जर्मनी के चांसलर को दिया। ट्रंप ने कहा कि समर्थन की कमी ने नाटो के बारे में उनके पुराने विचार को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि नाटो एक कागज़ी शेर है, हम नाटो की मदद करते हैं, लेकिन वे हमारी कभी मदद नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' यह संकेत देते हुए कि भविष्य में अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।

श्रीलंका के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पर 7.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला पर 7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भारी जुर्माना लगाया। उन पर 2022 में भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत एक गैर-पंजीकृत कंपनी से घटिया दवाएं आयात कर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का दोष सिद्ध हुआ है। अदालत ने अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों पर भी पांच-पांच करोड़ का जुर्माना लगाया। यह मामला श्रीलंका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू : इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा : 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया

और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।' सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे-धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया।

नेपाल में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में आज उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन की गई है, जिससे देश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जवाबदेही का नया दौर शुरू होता दिख रहा है। भक्तपुर स्थित आवास से हुई गिरफ्तारी शनिवार सुबह तड़के नेपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने भक्तपुर के गुंडु स्थित केपी ओली के घर पर छापेमारी की और उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी कड़ी में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट और 77 मौतों का मामला : यह पूरी कार्रवाई पिछले साल हुए जेन-जेड' (युवा पीढ़ी) के हिंसक प्रदर्शनों की जांच के आधार पर की गई है। गंभीर लापरवाहीः पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली सरकार पर 'गंभीर लापरवाही' बरतने का आरोप लगाया है। जान-माल का नुकसानः इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 77 लोगों की जान चली गई थी और देश की अरबों रुपये की संपत्ति खाक हो गई थी। इंटेलिजेंस की अनदेखीः रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को संभावित हिंसा की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी।

प्रधानमंत्री बालेन शाह का बड़ा एक्शन : प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के तुरंत बाद बालेन शाह ने एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया गया।

आरोपः केपी ओली पर आरोप है कि जब देश जल रहा था, तब वे जिम्मेदारी निभाने के बजाय काठमांडू छोड़कर भाग गए थे। अब उन पर केस चलाया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

देशभर में हाई अलर्ट : ओली की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू घाटी समेत पूरे नेपाल में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। काठमांडू की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है ताकि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या हिंसा को रोका जा सके। गृह मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में कई अन्य बड़े अधिकारियों और नेताओं की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

ओली को मेडिकल जांच के बाद बटालियन में शिफ्ट किया जाएगा : ओली और रमेश लेखक को पुलिस जल्द ही आर्म्ड पुलिस फोर्स की महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में शिफ्ट करेगी। दोनों नेताओं को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच पूरी होते ही दोनों को बटालियन में रखने की व्यवस्था कर ली गई है। यह कदम जारी कस्टडी प्रक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में दोनों नेताओं को रखने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

गिरफ्तारी से पहले बालेन की अध्यक्षता में बैठक हुई : इस मामले की जांच एक आयोग ने की थी, जिसकी अगुआई पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की ने की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रदर्शन के दौरान हालात को संभालने में गंभीर लापरवाही हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पहले से मिली चेतावनी (इंटेलिजेंस) के बावजूद सही कदम नहीं उठाए, जिससे हालात बिगड़ गए और कई लोगों की जान चली गई। गिरफ्तारी से पहले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली।

नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद

ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और डिब्बों में अवैध रूप से किया था डंप

अमेठी।

यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली।

दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी।

इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे। लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली।

दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे। विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नइ।

तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई।

नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया। पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है।

केरल में चुनावी दस्तावेज पर बीजेपी की मुहर मामले में चुनाव आयोग का एक्शन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दो अधिकारियों को हटाकर मूल विभागों में भेजा

नई दिल्ली।

केरल में चुनाव आयोग के दस्तावेज पर बीजेपी की मुहर के बाद विवाद खड़ा हो गया था। अब इस मामले में एक्शन लेते हुए केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रत्न यू केलकर ने दो अधिकारियों को हटा दिया है। आयोग ने उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी और एक अनुभाग अधिकारी को उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया है। चुनाव आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि घटना की जानकारी सामने आने के बाद आयोग ने आईएएस अधिकारी से जांच करवाई थी। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अनुभाग अधिकारी को उनके चुनाव संबंधी कर्तव्यों से मुक्त कर उनके मूल विभागों में वापस भेज दिया है। बता दें यह विवाद उस समय सामने आया था, जब केरल में राजनैतिक पार्टियों को भेजे गए एक हलफनामे में चुनाव आयोग की जगह बीजेपी की मुहर लगी थी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इस घटना को जोर शोर से उठाते हुए सोशल मीडिया साइट पर इसकी प्रति साझा की थी। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। सीपीआईएम की तरफ से कहा गया था कि इस प्रकार की घटना केंद्रीय सत्ता और चुनाव आयोग के प्रति एक गंभीर संदेह पैदा करती है। इस घटना के बाद संदेह होना जायज है कि क्या एक पार्टी केंद्रीय सत्ता और चुनाव आयोग दोनों जगह प्रभाव बनाए हुए है। लगातार विपक्ष द्वारा बीजेपी के साथ सांठगांठ के आरोपों का सामना कर रहे चुनाव आयोग के लिए एक यह असहज करने वाली स्थिति थी। ऐसे में आयोग ने तुरंत ही संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की। जांच में सामने आई रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने कहा कि यह एक गलती थी। इसे तुरंत ही ठीक कर लिया गया है। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी को निलंबित कर दिया है।

भारत को होर्मुज की जरूरत नहीं! अर्जेंटिना के बाद एक और दोस्त भर-भर कर भेजेगा एलपीजी

नई दिल्ली ।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच छिड़ा संघर्ष अब एक लंबे युद्ध का रूप लेता जा रहा है। शुरुआत में इस जंग के जल्द खत्म होने के जो दावे किए गए थे, वे पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। ईरान के कड़े पलटवार ने न केवल सैन्य समीकरण बदले हैं, बल्कि पूरी दुनिया को एक गंभीर ऊर्जा संकट की दहलीज पर खड़ा कर दिया है। विशेष रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी कॉरिडोर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के बाधित होने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चरमरा गई है। भारत के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात इसी समुद्री मार्ग से होता है। इस संकटपूर्ण स्थिति में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नई दिल्ली ने अपने दशकों पुराने और भरोसेमंद मित्र रूस के साथ एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए बातचीत तेज कर दी है।हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत और रूस ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देने के लिए आपसी सहयोग विस्तार पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा में रूस ने भारत की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस और रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की तत्परता जताई है। जानकारों का मानना है कि रूस एक प्रमुख और स्थिर आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जिससे भविष्य में होर्मुज मार्ग के लंबे समय तक बाधित रहने पर भी भारतीय घरों के चूल्हे जलते रहेंगे। रूस के साथ-साथ, भारत ने भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना के साथ भी एक महत्वपूर्ण साझेदारी विकसित की है। लगभग 20,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अर्जेंटीना इस संकट के समय में भारत के लिए एक बड़े विकल्प के रूप में सामने आया है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की पहली तिमाही में ही अर्जेंटीना ने भारत को 50,000 टन एलपीजी का निर्यात किया है, जो साल 2025 के कुल निर्यात (22,000 टन) से दोगुने से भी अधिक है। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत ने भी स्पष्ट किया है कि उनका देश भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। भारत

की यह व्यावहारिक नीति न केवल मौजूदा संकट का समाधान कर रही है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत रणनीतिक सुरक्षा कवच भी तैयार कर रही है। रूस और अर्जेंटीना जैसे देशों के साथ बढ़ते ये संबंध यह सुनिश्चित करते हैं कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की विकास गति और घरेलू जरूरतें प्रभावित नहीं होंगी।